LANDTRADE INDIA.COM

Tulsi Van
Vrindavan

राधे मेरी स्वामिनी, मैं राधे को दास

जनम जनम मोहे दीजिओ, श्री वृन्दावन को वास

LANDTRADE INDIA.com

Tulsi Van
Vrindavan

About Land Trade India

Land Trade India.com is formed for Land banking, which is a common practice adopted by Government Authorities & Private Developers, whereby they accumulate land for development well before the date at which they intend to sub-divide and build new buildings for housing, offices space or for market place.

Property development is often viewed as a 'pipeline' process, whereby development firms move sequentially through undeveloped sites and gradually change vacant rural lands into urban developments.

In this regard, property development is just another production process.

During periods of real estate growth, the price appreciation typically exceeds in many folds. Thereby the investors get an opportunity to multiply their wealth. Generally investment in land always gives positive return if you compare with any other asset class.

LANDTRADE INDIA.com

Tulsi Van
Vrindavan

Why Land Trade India?

Vacant land is one of the most overlooked and misunderstood real estate investments. A lot of people have this erroneous notion that vacant land is a “weak” or even “pointless” investment and it doesn’t produce income. This is an unfortunate misconception because the truth is – vacant land is capable of producing some serious cash flow and it is one of the best investments in the world because of its hands-off nature.

As part of a portfolio, along with other traditional asset classes of investment vehicles, real estate allows you to achieve higher returns for a given level of portfolio risk. Similarly, by adding real estate to your portfolio, you could maintain your portfolio returns while decreasing your risk.

The simplicity and stability that comes with owning the right piece of land purchased at the right time & price can far outweigh the myriad of problems that come with owning any other type of real estate. If you’ve overlooked vacant land as an investment opportunity in the past, you need to take a few minutes and get educated from the experts of 'LandTradeIndia.com'.

LANDTRADE INDIA.com

Tulsi Van
Vrindavan

Objectives of Land Trade India

- Search and acquire information on what land is available & where;
- Assess the future prospects of the land parcel which has already been identified based on expected infrastructure development in the region;
- After getting the positive assessment about the identified land parcel, negotiate with the potential sellers;
- Accrue the land at the best possible rate;
- After acquisition, develop the land with the prevailing land-use regulations of the appropriate authority;
- Sell or allot the developed land to the investors or end users.

LANDTRADEINDIA.COM

Tulsi Van

Vrindavan

राधे मेरी स्वामिनी, मैं राधे को दास

जनम जनम मोहे दीजिओ, श्री वृन्दावन कौ वास

LANDTRADE INDIA.com

Tulsi Van
Vrindavan

About Vrindavan

"The word 'Van' means forest. Vrindavan is the name given to the forest where Srimati Vrinda-Devi (Tulsi-Devi), grows profusely.

On this earth, the place known as Vrindavan in the district of Mathura, ninety miles southeast of Delhi, is a replica of that supreme Golok Vrindavan in the spiritual sky. In all of India, that eighty-four-square-mile tract of land is considered to be the most sacred place of pilgrimage because Krishna sported in it, and many devotees still linger there in ecstasy in search of Krishna and his childhood associates.

Vrindavan has a staggering 5000 old and modern Temples and attracts about 60 Lakh pilgrims on a monthly basis. It is synonymous with the innocent child like play-fullness of the almighty Lord Krishna. It is located very close to the city of Taj, Agra, and will benefit immensely from the development of India's largest urban zone at Yamuna Expressway which connects Noida to Agra. Vrindavan is also a part of World Bank's massive 440 crore redevelopment project in India.

HERITAGE-CITY

Prime Minister of India has declared the first phase, development and rejuvenation of 'Heritage-Cities' will kick start with Varanasi, Vrindavan, Gaya, Ajmer, Amritsar, Kanchipuram, and Velankanni.

The Modi government has its eyes rightly set on developing Vrindavan as a 'Heritage City' and the concerned authorities are working day and night to turn his vision into reality. Thus in no time one can witness Vrindavan turning into a urban-global tourism destination of the future.

Connectivity

Tulsi Van
Vrindavan

Yamuna Expressway stretching 165 kms connects international tourist destinations of Delhi, Mathura-Vrindavan and Agra. Yamuna Expressway, a 6-lane (extendable to 8 lane) access controlled Expressway, is planned to have 5 LFDs (Land of concessionaire) with facilities of 4 Toll Plazas and 6 Interchanges along the entire length.

Yamuna Expressway

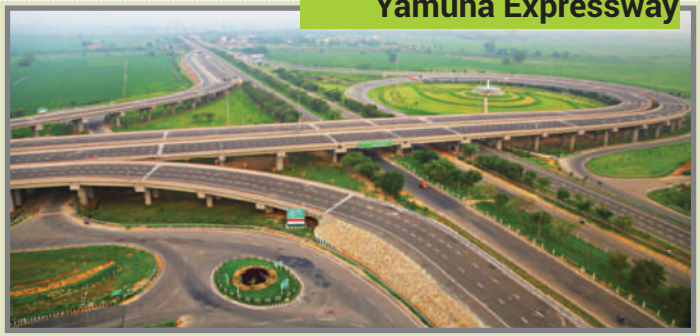

Noida - Agra Monorail

नोएडा-आगरा को जोड़ेगी मोनो रेल

» विनोद शर्मा, नोएडा

मोनो रेल (एलआरटी) के जरिए नोएडा और आगरा को जोड़ने की योजना है। नोएडा अथॉरिटी के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि यूपी के चीफ मिनिस्टर अखिलेश यादव ने नोएडा से आगरा के बीच यमुना नदी के पूर्वी किनारे पर मोनो रेल दौड़ाने को सैद्धांतिक तौर पर सहमति दे दी है। मोनो रेल इस क्षेत्र में पड़ने वाले ग्रेटर नोएडा, यमुना एक्सप्रेस वे अथॉरिटी और मथुरा व आगरा को सीधे कनेक्ट करेगी। हाल ही में गठित

सिडनी की तर्ज पर होगी

200 किमी के रास्ते में होंगे कई टूरिस्ट स्पॉट

हुए नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के अगले प्रोजेक्ट का यह हिस्सा होगा। ट्रैक लगभग 200 किलोमीटर लंबा होगा। इसे सिडनी की मोनो रेल तर्ज पर डिवेलप करने का

लखनऊ में बुधवार को कोई मीटिंग के बाद हाई लेवल मीटिंग में इस प्रस्ताव पर चर्चा हुई। सूत्रों का कहना है कि यूपी सीएम अखिलेश यादव का यह ड्रीम प्लान है।•सूत्रों ने बताया कि मोनो रेल की इस कनेक्टिविटी से नोएडा में महामाया फ्लाईओवर से से आगरा के बीच पड़ने वाले महत्वपूर्ण स्थल जैसे नलगढ़ा, नाइट सफारी, फॉर्मूला इंटरनैशनल क्रिकेट

Delhi Agra NH-2

The National Highway 2 enters Uttar Pradesh from Delhi in Mathura district and a part of it is known as Mathura Road. Before Mathura it covers Palwal and Faridabad city in Haryana. After Mathura it reaches Agra which is about 200 km (120 mi) from Delhi.

Site Location

Tulsi Van
Vrindavan

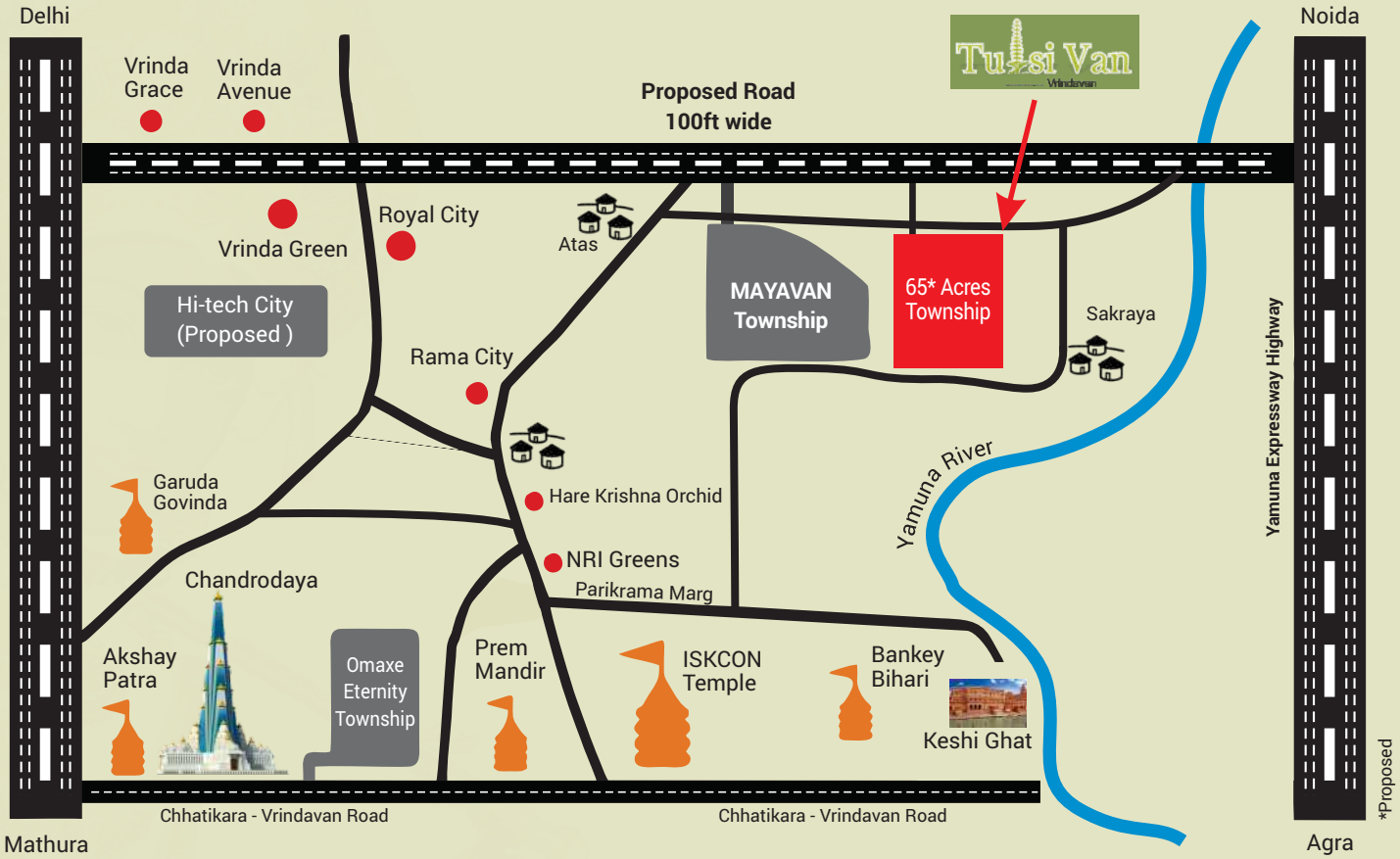

- Faridabad to Site: 120 Minutes
- NH-2 to Site: 15 Minutes
- ISKCON to Site: 15 Minutes
- Noida to Site: 90 Minutes
- Yamuna Expressway to Site: 10 Minutes
- Bankey Bihari to Site: 10 Minutes

LANDTRADE INDIA.COM

Nearest Landmarks of Tulsi Van

Tulsi Van
Vrindavan

Bankey Bihari Mandir

Prem Mandir

Chandrodaya Mandir

ISKCON Temple

LANDTRADE INDIA.COM

Tulsi Van
Vrindavan

2000 किलो सोने से बनेगा विश्व का पहला अद्भुत श्री राधा–कृष्ण स्वर्ण मंदिर

श्री कुमार स्वामी

वृंदावन। महातीर्थ, धर्मक्षेत्र श्री वृंदावन में चौमुहां में हाइवे के किनारे १०८ एकड़ भूमि में विश्व का पहला अद्भुत श्री राधा-कृष्ण स्वर्ण मंदिर बनेगा। इसकी व्यापक तैयारियां चल रही हैं। भगवान श्री लक्ष्मी नारायण धाम के प्रवक्ता ने बताया कि मंदिर में २००० किलो स्वर्ण प्रयोग करने की उनकी योजना है। मंदिर में विशेष रूप से प्रमुख देवी देवताओं की स्वचालित झांकियां स्थापित होंगी।

धाम के प्रवक्ता ने बताया कि १०८ एकड़ भूमि में अत्याधुनिक साधन सुविधाओं से युक्त धर्मशाला, गौशाला, विधवाश्रम व स्कूल बनाए जाएंगे।

वृंदावन में श्री राधा-कृष्ण के स्वर्ण मंदिर के निर्माण को लेकर पूरे विश्व में अद्भुत उत्साह का वातावरण है।

जमीं पर चांद जैसा होगा चंद्रोदय मंदिर

राष्ट्रपति ने वृंदावन में किया शिलान्यास

■ जागरण ब्यूरो, वृंदावन

कला और विज्ञान के अद्भुत रास को साकार करता चंद्रोदय मंदिर जमीन पर चांद की प्रतिकृति जैसा होगा। पांच साल के बेहद कम समय में 300 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होने वाला 'चंद्रोदय मंदिर' स्थापत्य कला का अनूठा उदाहरण होगा। प्राचीन वृंदावन को पुनर्जीवित करने का यह प्रयास मात्र इस्पात, शीशा, पत्थर, कंक्रीट, नक्काशी, वास्तुकला व शिल्पकला के जीवंत मेल तक सीमित नहीं होगा। यह भारतीय आध्यात्मिक ज्ञान वैभव को विश्व के सामने प्रस्फुटित करने का एक बड़ा केंद्र बनेगा। राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने रविवार को मथुरा जिले के वृंदावन क्षेत्र में चंद्रोदय मंदिर का शिलान्यास किया।

पारंपरिक भारतीय स्थापत्य कला की नागरा शैली में 65 एकड़ क्षेत्र में बनने वाला यह मंदिर भारतीय स्थापत्य के गौरव को एक बार फिर दुनिया के सामने रखेगा। मंदिर परिसर में प्राचीन वृंदावन अपने गौरवशाली अतीत के साथ वर्तमान के प्रति मुखातिब होगा। प्रसिद्ध द्वादश वन फिर से कृष्ण की लीला नगरी को आच्छादित करेंगे तो कालिंदी भी अपने प्राचीन रूप में अपने कान्हा के निकट अठखेलियां करती नजर आएगी।

- **पांच वर्ष में तीन सौ करोड़ की लागत से तैयार होगा मंदिर**
- **65 एकड़ में बनने वाला यह मंदिर स्थापत्य कला का होगा अद्भुत नमूना**

"विश्व के सबसे ऊंचे मंदिर के गर्भगृह का शिलान्यास करना सम्मान और गौरव की बात है। यह एक ऐसा केंद्र बनेगा जहां से आध्यात्मिकता व शांति का संदेश पूरी दुनिया में फैलेगा। -प्रणब मुखर्जी"

कुतुब मीनार से तीन गुना ऊंचा

आधारशिला रखने वृंदावन पहुंचे राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने पारंपरिक रूप से अनंत स्थापना पूजा की तो उत्तर प्रदेश के राज्यपाल राम नाईक ने इसे सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण से जोड़ते हुए इसे ऐतिहासिक बताया। गौरतलब है कि सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का शिलान्यास भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने किया था। कुतुब मीनार (72.5 मीटर) से लगभग तीन गुना ऊंचाई वाला 'चंद्रोदय' मंदिर 210 मीटर ऊंचा होगा।

इस्कॉन की है अवधारणा

'चंद्रोदय' मंदिर इंटरनेशनल सोसायटी फॉर कृष्ण कंसस्नेस (इस्कॉन) की अवधारणा है। शिलान्यास करने के बाद राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि 'ऐसे समय में जब भारत विकासशील देश से विकसित देश बनने की ओर अग्रसर है, हमारे समाजिक आर्थिक और नैतिक ढांचे पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है।

:41 (उदय-कल)
.) 12.0 (न्यून.)
0 (न्यून.)

मथुरा जागरण

आगरा/मथुरा, 19 नवंबर 2014

वृंदावन के पास बसेगा विदेशियों के लिए शहर

- पंचतारा होटल समेत अन्य होटलों की खड़ी हो सकती हैं कतारें
- आवासीय प्रोजेक्ट्स के साथ ही व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स की भी योजना

'मानुष हों तो वही रसखान बसौं नित ब्रज गोकुल गांव के द्वारन'

जागरण संवाददाता, मथुरा: ब्रज में वास करने की लालसा ही कुछ ऐसी होती है। इसी ललक के लिए ब्रज में अलग दुनिया बसने जा रही है। वृंदावन के पास एक ऐसा शहर बसने जा रहा है जिसमें सिर्फ विदेशी ही रहेंगे। इसके साथ ही पंचतारा होटल, आवासीय प्रोजेक्ट्स की भी नींव रखी जा चुकी है। व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स के लिए आबादी बढ़ने का इंतजार हो रहा है। निवेशकों भी यहां पर दिल खोल कर दांव लगा रहे हैं।

दुनिया के सबसे ऊंचे चंद्रोदय मंदिर से वृंदावन पर बड़ी कंपनियों की नजरें टिक गई। अब छटीकरा-वृंदावन रोड से आठ किलोमीटर अंदर सटे सकराया गांव में अंतरराष्ट्रीय सिटी बनाने की योजना तैयार हो चुकी है। यहां करीब डेढ़ सौ बीघा क्षेत्र में एक ऐसी कॉलोनी बसाई जा रही है, जिसमें सिर्फ विदेशी ही रहेंगे। हालांकि इस कॉलोनी की अभी नींव नहीं रखी गई है। एक पंचतारा होटल का निर्माण तेजी से हो रहा है। कई सितारा होटल भी बन सकते हैं। इनके लिए जमीन खरीदी जा चुकी है।

वैसे छटीकरा से नगला रामलाल, सुनरख भाग और सकराया गांव तक फैले व्यापक क्षेत्रफल में अब जमीन के लिए कोई हाथ भी नहीं रखने दे रहा है। आवासीय, व्यावसायिक प्रोजेक्ट्स के लिए निवेश चरम तक पहुंच गया है।

सकराया गांव के पास अंतरराष्ट्रीय सिटी में सिर्फ रहेंगे विदेशी

आसमां पर पहुंचे दाम

व्यावसायिक नजरिए से यहां पर निवेशकों ने अपने पांव नहीं खोले हैं। मगर मुख्य मार्गों की प्रायम लोकेशन पर जमीन खरीद ली गई है। लोगों ने बताया कि आने वाले समय में आबादी और आवासीय प्रोजेक्ट्स के बाद व्यावसायिक गतिविधियों की शुरुआत हो सकती है। हाईवे और इससे सपर्क वाले मुख्य मार्गों पर जमीन के रेट करोड़ों रुपए प्रति एकड़ तक पहुंच चुके हैं।

विवादित और पुराने ख्यालात पर ही बची जमीन

करीब दो से ढाई हजार हेक्टेयर वाले इस क्षेत्र में कुछ जमीन अभी यथावत बनी हुई है। इसमें से ज्यादातर वो जमीन है जो किसी न किसी रूप में विवादित है। पुराने ख्यालात वाले लोग भी अपनी जमीन बेचने से हिचक तो रहे हैं, मगर डर है कि भविष्य में उनकी जमीन का अधिग्रहण न हो जाए। नगला रामलाल के महेंद्र सिंह और छटीकरा के बलवीर सिंह इसी पशोपेश में हैं।

सबसे ज्यादा बैनामे वृंदावन क्षेत्र के

मथुरा : वृंदावन विकास प्राधिकरण के अभिलेख बताते हैं कि मथुरा और वृंदावन में कुल प्रोजेक्ट्स में से 80 फीसदी तो वृंदावन और इसके आसपास के ही हैं। रजिस्ट्री कार्यालय के सूत्र बताते हैं कि राजस्व आय के हिसाब से सबसे ज्यादा आय वृंदावन क्षेत्र से ही हो रही है। यहां पर जमीनों की खरीद-फरोखा अपेक्षाकृत अन्य क्षेत्रों से ज्यादा है।

विश्व बैंक ने खोला खजाना, केंद्र की सरकार भी तैयार

धार्मिक नजरिए के साथ ही मथुरा में पर्यटन की असीम संभावनाएं सामने आई हैं। प्रो पुअर प्रोजेक्ट के जरिए विश्व बैंक ब्रज परिषद के नाम से अपना खजाना खोला है, इसमें करीब 800 करोड़ के विकास कार्य कराए जाने हैं। वहीं केंद्र सरकार ने मथुरा को हेरिटेज सिटी की श्रेणी में लाते हुए 'जो वाहो-मांग लो' की तर्ज पर प्रस्ताव मांग लिए हैं। पिछले दिनों इन मथुरा आए केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय के संयुक्त सचिव प्रवीण प्रकाश ने दिसंबर से प्रस्तावों पर कार्ययोजना शुरू करने का भरोसा दिया था।

अद्भुत, अप्रतिम, अकल्पनीय

World's Tallest Temple

700 Ft. Height (213 Meters)	26 Acres Verdant Forests
70 Floors	65 Acres Land
05 Acres Footprint	12 Acres For Parking & Helipad
5.4 Lacs Sq. Ft. Built-Up Area	300 Crore ($45 Million) Construction Cost

Price Trends in Vrindavan

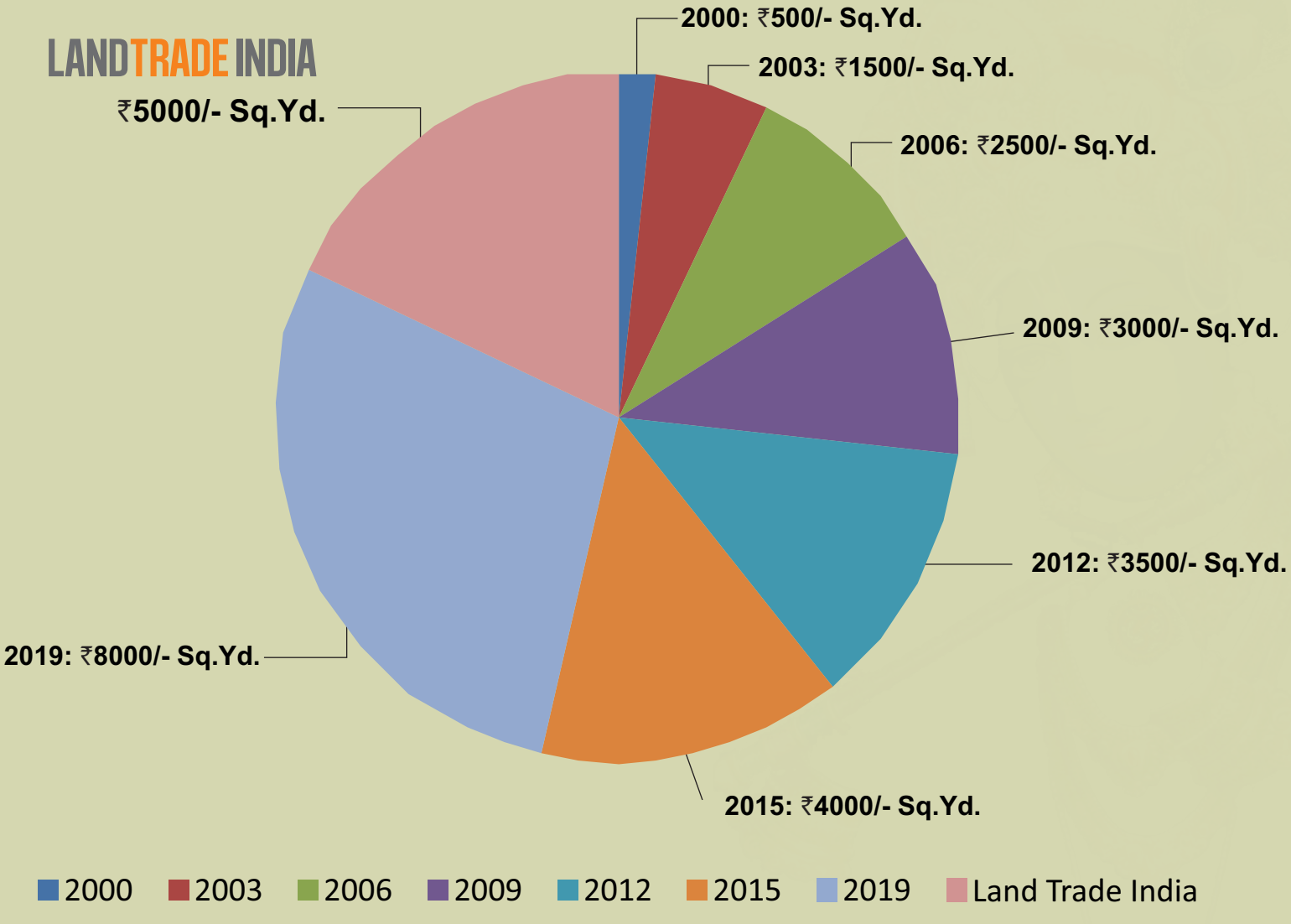

LANDTRADE INDIA.com

Tulsi Van
Vrindavan

Project Highlights:

- 65* Acres Development
- Plot Sizes – 100 Sq. Yards & Multiple
- Gated Township
- 24x7 Security
- Fenced Boundary
- Internal Roads
- Green Park
- Electricity & Water Supply
- Kids Play Area
- Landscaping In & Around
- Provision for Exquisite Temple
- Commercial Area (Shops)

LANDTRADE INDIA.com

Tulsi Van
Vrindavan

Price & Payment Plan

BSP ₹5,000/- Sq.Yards

One Time Payment

Booking Amount – 4,00,000
On Possession – 1,00,000

Terms and Conditions

- PLC – Preferential Location Charges shall be applied at the time of allotment:
  a. Main Road facing – 10% of BSP
  b. Park facing – 10% of BSP
  c. Corner plot – 10% of BSP
- Development charges shall be payable by the buyer at the time of allotment
- Stamp duty, Registration and other Legal charges shall be payable extra at the time of possession
- Possession after 24 months

Documentation:

Documents required along with Expression of Interest:

a. 2 passport size photographs
b. PAN card
c. Self attested copy of Residence proof (Aadhaar Card/ Voter Card / Driving Licence / Bank Passbook / Passport / Rent agreement / House ownership docs)

Refund Policy:

*Premature withdrawals before 12 months will be accountable for a deduction of 10 percent.

LANDTRADE INDIA.COM

Contact Us:

MADHYAM LAND TRADE INDIA LLP

Corporate Office

312, 3rd Floor, US Complex, Near - Jasola Apollo Metro,
Mathura Rd, Jasola, New Delhi, Delhi 110076

Web: www.landtradeindia.com | Email: info@landtradeindia.com